

2019

B.A. 1st Semester Examination

SANSKRIT (General)

Paper : DSC 1A-T

Full Marks : 60

Time : 3 Hours

*Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*

*The figures in the margin indicate full marks.*

1. अधोलिखितेषु प्रप्रदशकानाम् उत्तराणि संस्कृतेन देवनागर्या च लेख्यानि— 10×2=20

নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে দশটির উত্তর সংস্কৃত ভাষায় এবং দেবনাগরী লিপিতে পূর্ণবাক্যে লেখ—

(क) रघुवंशम् कीदृशं काव्यम्? रघुवंशे कियन्तः सर्गाः सन्ति?

রঘুবংশ কী ধরনের কাব্য? রঘুবংশে কয়টি সর্গ আছে?

(ख) रघुवंशमहाकाव्यस्य प्रथमसर्गस्य नाम किमस्ति? सर्गेऽस्मिन् कति श्लोकाः भवन्ति?

[ Turn Over ]

“रघुवंशम्” महाकाव्येर प्रथम सर्गेर नाम कि? प्रथम सर्गेर श्लोक संख्या कत?

(ग) मोहात् कालिदासः किं कृतवान्?

मोहबशतः कालिदास कि करेछिलेन?

(घ) पाठ्यांशभूते हिमालयस्य विशेषणद्वयं प्रदेयम्।

पाठ्यांश थेके हिमालयेर दुटि विशेषणेर उल्लेख कर।

(ङ) कश्च मनुष्यः साक्षात् पशुः ?

कि रकम ब्यक्तिः साक्षात् पशुतुल्या?

(च) के च भूवि भारभूताः मृगाः ?

जगतेर भारस्वरूप मृग कारा?

(छ) “किरातार्जुनीयम्” इति महाकाव्यस्य उत्सः कः ? अस्य महाकाव्यस्य नायकः कः ?

“किरातार्जुनीयम्” महाकाव्येर उत्स की? এই महाকাব্যेर नायক কে?

(ज) मल्लिनाथेन भारवेः काव्यमिदं केन फलेन सह उपमितम्?

“মল্লিনাথ” ভারবির কাব্যকে কোন ফলের সঙ্গে তুলনা করেছেন?

(झ) कुमारसम्भवस्य मुख्यटीकाकारः कः? तस्य टीकायाः नाम किम्?

कुमारसम्भवेर मुख्याटीकाकार के? तार टीकार नाम की?

(ज) “शिशुपालवधम्” इति महाकाव्यस्य उत्सः कोऽस्ति?

“शिशुपालवध” महाकाव्येर उत्स कि?

(ट) माघकवेः प्रशंसासूचिका उक्तिः का भवति?

कविमाघेर प्रशंसससूचक उक्तिटि कि?

(ठ) शिशुपालवधस्य मुख्यरसः कोऽस्ति? शिशुपालः कः आसीत्?

शिशुपालवध महाकाव्येर मुखरस की? शिशुपाल के छिलेन?

(ड) “बुद्धचरितं” केन विरचितम्? बुद्धचरितस्य सर्गसंख्या काऽस्ति?

“बुद्धचरितम्” के रचना करेछेन? बुद्धचरितेर सर्गसंख्या कत?

[ Turn Over ]

(ढ) “गीतकाव्यम्” अन्यत् केन नाम्ना अभिहितम् भवति?  
“मेघदूतम्” केन छन्दसा विरचितम्”?

गीतिकाव्य अन्य कि नामे अभिहित हय? मेघदूत कौन छन्दे  
रचित?

(ण) चौरपञ्चाशिकाकाव्यम् अन्यत् केन नाम्ना परिचितम्?

“चौरपञ्चाशिका” काव्याटि अन्य कौन नामे परिचित?

2. अधोलिखितेषु यथेच्छं चत्वारः प्रश्नाः समाधेयाः 4×5=20

निम्नलिखित ये कौन चारटि प्रश्नेर उत्तर दाओ—

(क) गीतगोविन्दस्य” साहित्यिकमूल्यं निरूप्यताम्।

“गीतगोविन्दे” साहित्यिक मूल्य निरूपण कर।

(ख) कुमारसम्भवमहाकाव्यस्य विषयवस्तु आलोचयत।

कुमारसम्भव महाकाव्येर विषयवस्तु आलोचना कर।

(ग) पादाहतं यदुत्थाय मूर्धानमधिरोहति।

स्वस्थादेवापमानेऽपि देहिनस्तद् वरं रजः ॥

श्लोकोऽयं व्याख्यायतम्।

उपरोरुक्त श्लोकटि व्याख्या कर।

(घ) “मन्दः कवियशःप्रार्थी गमिष्यामुपहास्यताम्।

प्रांशुलभ्ये फललोभाद् उद्धाहुरिव वामनः ॥

श्लोकोऽयं व्याख्यायताम्—

श्लोकটি ব্যাখ্যা কর।

(ङ) विद्यां प्रशस्य भर्तृहरिणा रचितः श्लोकः लेखनीयः।

বিদ্যার প্রশংসাবিষয়ক ভর্তৃহরির রচিত শ্লোকটি লেখ।

(च) भर्तृहरिविरचितस्य भट्टिकाव्यस्य पाठ्यांशम् आलोचयत।

ভর্তৃহরির বিরচিত ভট্টিকাব্যের পাঠ্যাংশ আলোচনা কর।

3. निम्नलिखितेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम्—

10×2=20

(क) “रघुवंशम्” महाकाव्यस्य प्रथमसर्गानुसारम् सूर्यवंशजानां

राजानां गुणावलीः निर्वर्ण्य राज्ञः दिलीपे तेषां गुणानां

प्रकाशः आलोचनीयः।

রঘুবংশ মহাকাব্যের প্রথমসর্গ অনুসরণে সূর্যবংশীয় রাজন্যবর্গের

গুণাবলী বর্ণনা কর। এবং উক্ত গুণাবলী মহারাজ দিলীপে

কতদূর পরিস্ফুট তার পরিচয় দাও।

(ख) पाठ्यांशभूते नीतिशतके परिणत्या सह मूर्खानां चारित्रिक  
वैशिष्ट्यं पर्यालोचनीयम्।

पाठ्यांशभूत “नीतिशतके” परिणति सह मूर्खदेर चारित्रिक  
वैशिष्ट्य पर्यालोचना कर।

(ग) महाकाव्यरूपेण “शिशुपालवधं” सार्थकं न वेति विचार्यताम्।

महाकाव्यरूपे “शिशुपालवध” सार्थक की ना पर्यालोचना कर।

(घ) श्रीहर्षस्य “नैषधचरितम्” अवलम्ब्य एकः प्रबन्धो  
विरचनीयः।

श्रीहर्षेर “नैषधचरितम्” अवलम्बने एकटि प्रबन्ध रचना कर।